AISECT LEARN
Better Education. Better Careers.

ORGANIC GROWER (NEP)

सेल्फ पेस्ड

कोर्स अवलोकन :

यह आर्गेनिक ग्रोवर कोर्स उन सभी छात्रों और किसानों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो स्थायी और पर्यावरण मित्र खेती के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली, स्वस्थ फसलें उगाना चाहते हैं। कोर्स में जैविक खेती के मूल सिद्धांतों, मृदा स्वास्थ्य, फसल प्रबंधन, कीट नियंत्रण, और जैविक उर्वरकों का उपयोग सिखाया जाएगा। साथ ही, इसमें जैविक प्रमाणन प्रक्रिया, विपणन अवसरों और जैविक खेती से संबंधित आर्थिक पहलुओं पर भी जोर दिया जाएगा। यह कोर्स छात्रों को यह सिखाने का उद्देश्य रखता है कि वे किस प्रकार से टिकाऊ और लाभकारी तरीके से अपने कृषि कार्य को चला सकते हैं।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

इस कोर्स के अंत में, छात्र निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे:

- जैविक खेती के मूल सिद्धांतों और प्रथाओं को समझना।
- जैविक मृदा तैयारी और पोषक तत्व प्रबंधन तकनीकों को लागू करना।
- विभिन्न जैविक फसलों का चयन और उनका उगाना।
- जैविक कीट और रोग प्रबंधन रणनीतियों को प्रभावी रूप से लागू करना।
- जैविक कटाई और पोस्ट-हार्वेस्ट हैंडलिंग विधियों को समझना और उनका पालन करना।
- एक जैविक कृषि उद्यम के लिए व्यवसाय योजना तैयार करना।
- ऑर्गेनिक कृषि कार्यस्थल में स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों को लागू करना।
- यह कोर्स छात्रों को जैविक कृषि के विभिन्न पहलुओं में दक्षता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करेगा।

आप क्या सीखेंगे:

- मृदा प्रबंधन: जैविक उर्वरकों, कम्पोस्ट और अन्य प्राकृतिक साधनों से मृदा की गुणवत्ता सुधारने के तरीके।
- फसल प्रबंधन: फसल चक्रण, सहायक पौधों की संरचना, और मिट्टी की स्थिति के आधार पर उपयुक्त फसल चयन करना।
- कीट और रोग नियंत्रण: जैविक तरीके से कीटों और रोगों से निपटने के उपाय, जैसे कि जैविक कीटनाशक और समग्र कीट प्रबंधन (IPM)।
- जैविक प्रमाणन प्रक्रिया: जैविक प्रमाणन के मानकों को समझना और उन्हें प्राप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाना।
- पानी की बचत और सिंचाई तकनीकें: जल प्रबंधन के सर्वोत्तम तरीके, जैसे कि ड्रिप सिंचाई और वर्षा जल संचयन।
- आर्थिक प्रबंधन और विपणन: जैविक उत्पादों के लिए व्यापार योजना तैयार करना, विपणन रणनीतियाँ, और सीएसए (Community Supported Agriculture) कार्यक्रमों का संचालन।

Program Highlights

प्रशिक्षक श्रीमती के. अनीता	**अवधि** 12 सप्ताह	**योग्यता** 10+2
मॉड्यूल की संख्या 11	**भाषा** हिंदी	**प्रमाण पत्र** हाँ

मॉड्यूल 1
जैविक खेती का परिचय

- जैविक खेती का महत्व और आयाम
- जैविक खेती के सिद्धांत एवं घटक
- वर्तमान स्थिति एवं विकास
- चुनौतियाँ और अवसर
- रासायनिक खेती बनाम जैविक खेती
- जैविक खाद्य पदार्थों की मांग

मॉड्यूल 2
जैविक खेती के लिए योजना

- फार्म डिजाइनिंग, भूमि की तैयारी और बफर क्षेत्र
- जैविक उत्पादन के लिए ग्रोइंग सीजन योजना
- फसल एवं फसल प्रणाली
- जैविक खेती की दिशा में परिवर्तन (ट्रांजीशन)
- फसल पोर्टफोलियो का विविधीकरण
- जल प्रबंधन
- जैविक खेती में पशुधन प्रबंधन
- कृषि उपकरण

मॉड्यूल 3
जैविक खेती के अंतर्गत बीज का चयन एवं उपचार

- बीज एवं फसल चयन का परिचय
- कृषि में बीज उपचार की विधि
- जैविक खेती के अंतर्गत बीज उपचार
- मिट्टी की तैयारी और बीज बोना
- जैविक खेती के लिए बीज की खरीद

मॉड्यूल 4
जैविक खेती के अंतर्गत मृदा पोषक तत्व प्रबंधन)

- मृदा पोषक तत्व प्रबंधन का परिचय
- जैविक सहयोग का उपयोग द्ऑवारा मृदा सक्रियण
- मिट्टी में सूक्ष्मजीवी गतिविधि
- जैविक मृदा संवर्धन तकनीकें
- खाद एवं कम्पोस्टिंग के अनुप्रयोग
- जैव-उर्वरकों के अनुप्रयोग
- शून्य जुताई (Zero Tillage)

मॉड्यूल 5
जैविक खेती के अंतर्गत खरपतवार नियंत्रण

- जैविक खरपतवार प्रबंधन का परिचय
- खरपतवार की पहचान एवं वर्गीकरण
- फसल खरपतवार प्रतियोगिता की महत्वपूर्ण अवधि
- खरपतवार नियंत्रण के निवारक उपाय
- खरपतवार नियंत्रण के यांत्रिक या भौतिक तरीके
- खरपतवार नियंत्रण के पारंपरिक तरीके
- खरपतवार नियंत्रण की तापीय एवं जैविक विधियाँ

मॉड्यूल 6
जैविक खेती में सिंचाई प्रबंधन

- अच्छी सिंचाई प्रणाली की विशेषताएं
- मृदा एवं जल संरक्षण तकनीक
- सिंचाई के स्रोत
- सिंचाई की विधियां (ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई)
- सिंचाई समय सारणी का निर्धारण
- फसल वृद्धि के महत्वपूर्ण चरण
- विभिन्न फसलों के लिए पानी की आवश्यकता
- सिंचाई का पौधों में रोग की उपस्थिति और गंभीरता पर प्रभाव

मॉड्यूल 7
जैविक खेती के अंतर्गत एकीकृत कीट प्रबंधन

- विभिन्न प्रकार के कीटों की पहचान करना
- फसल और कीट प्रकोप के चरण
- लक्षण और क्षति के परिमाण को परिभाषित करना
- जैविक खेती के अंतर्गत कीट प्रबंधन तकनीक
- विभिन्न प्रकार के जालों का उपयोग
- कीट के प्राकृतिक शत्रुओं के बारे में जानना
- जैविक कीटनाशकों के प्रकार और उनके विक्रेता
- विभिन्न जैविक कीटनाशकों को तैयार करना
- विभिन्न प्रकार के कीटों के लिए विभिन्न वनस्पति अर्क

मॉड्यूल 8
जैविक खेती के अंतर्गत एकीकृत रोग प्रबंधन

- विभिन्न प्रकार के रोगों की पहचान
- जैविक कृषि में फसलों के नुकसान के लक्षण
- रोग संचरण की विधि
- रोगों की रोकथाम एवं देखभाल
- प्रतिरोधी किस्मों और बीज की गुणवत्ता का चयन
- अंतरफसल और ट्रैप क्रॉपिंग का प्रयोग
- रोगों के नियंत्रण के लिए प्राकृतिक शत्रुओं का उपयोग
- रोग निवारण के लिए जैविक नियंत्रण का उपयोग
- रोगों के नियंत्रण के लिए वानस्पतिक अर्क

मॉड्यूल 9
जैविक खेती के अंतर्गत फसल एवं कटाई उपरांत प्रबंधन

- जैविक खेती के अंतर्गत फसल एवं कटाई उपरांत प्रबंधन
- जैविक खेती के अंतर्गत कटाई की विधियाँ
- फसलों की परिपक्वता सूचकांक, कटाई और कटाई उपरांत फसल प्रबंधन
- परिपक्वता और पकने की प्रक्रिया
- कटाई-उपरांत प्रबंधन के तरीके
- भंडारण के लिए पर्यावरण-अनुकूल और आदर्श स्थितियाँ
- भंडारण के प्रबंधन के लिए धूम्रीकरण (फ्यूमीगेशन) प्रणाली

मॉड्यूल 10
जैविक खेती में गुणवत्ता आश्वासन और प्रमाणन)

- जैविक उपज के लिए विभिन्न प्रकार के जैविक प्रमाणीकरण
- प्रमाणन के लिए प्रक्रियाओं और समयसीमा की पहचान
- जैविक प्रमाणीकरण के लिए गुणवत्ता जांच
- जैविक प्रमाणीकरण के लिए राष्ट्रीय मानक
- मानकों के अनुपालन में जोखिम प्रबंधन
- जैविक फसलों के संदूषण को रोकना
- भागीदारी गारंटी और प्रमाणन प्रणाली
- भारत में जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय सहभागी गारंटी प्रणाली ((पीजीएस)) मानक
- तृतीय पक्ष और पीजीएस प्रमाणीकरण में दस्तावेज़ीकरण
- जैविक उत्पाद की बिक्री के लिए आवश्यक दस्तावेज़

मॉड्यूल 11
जैविक खेती का व्यवसाय

- जैविक खेती का अर्थशास्त्र
- मार्केट से जुड़ना और मार्केट जानकारी
- प्रत्यक्ष विपणन का प्रयास
- स्वच्छ एवं कुशल कार्यस्थल
- उचित आपातकालीन प्रक्रियाएं

(+91) 9111177800

learn@aisectlearn.com

https://aisectlearn.com/